

लिंग

व्याकरण में स्त्री या पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द को लिंग कहते हैं | हिंदी में लिंग के दो भेद माने जाते हैं :-

1. पुल्लिंग -

जिन शब्दों से पुरुष जाति होने का ज्ञान हो, उसे पुल्लिंग कहते हैं | जैसे - लड़का, सेठ, मोर, शेर आदि ।

2. स्त्रीलिंग -

जिन शब्दों से स्त्री जाति होने का ज्ञान हो, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं | जैसे - लड़की, सेठानी, मोरनी, शेरनी आदि |

नोट - हिंदी भाषा में कई शब्द ऐसे भी हैं जो पुल्लिंग व स्त्रीलिंग दोनों रूप में अपरिवर्तित रहते हैं | इन शब्दों का लिंग परिवर्तन नहीं होता |

जैसे - चांसलर, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राजदूत, राज्यपाल, डॉक्टर,<mark>इंजीनिय</mark>र,मैनेजर,डाकिया आदि | इन शब्दों को उभयलिंगी कहते हैं | लिंग निर्धारण संबंधी नियम

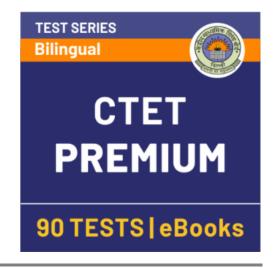
पुल्लिंग शब्द

- दिनों के नाम सोमवार, मंगलवार आदि
- महीनों के नाम चैत्र, बैसाख, जून आदि | अपवाद जनवरी, फरवरी, मई, जुलाई (स्त्री)
- रत्नों के नाम हीरा, मोती, पन्ना आदि |
- द्रव्य पदार्थ के नाम रक्त, घी, पेट्रोल, डीजल, तेल, पानी आदि |

स्त्रीलिंग शब्द

- लिपियों के नाम देवनागरी, रोमन आदि |
- नदियों के नाम गंगा, यमुना आदि |
- भाषाओं के नाम हिंदी, संस्कृत, अरबी आदि |
- तिथियों के नाम प्रथमा, द्धितीय आदि |

संज्ञा के जिस रुप से संख्या का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं | वचनों के दो भेद होते हैं :-



1. एकवचन -

संज्ञा के जिस रुप से एक ही वस्तु का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं | जैसे - बालक, अध्यापक, गाय, नदी, कविता आदि | नोट- कुछ शब्द एक वचन में ही प्रयुक्त होते हैं जैसे - जनता, दूध, पानी, वर्षा, सोना, चांदी, लोहा, सूरज, ईश्वर, पृथ्वी, प्रजा, खेल, प्रत्येक, चमेली, गुलाब, कचरा, दहेज, समय, सामान, तेल, इच्छा, संपत्ति, सामग्री आदि ।

TEST SERIES Bilingual

CG TET PAPER II (MATHS & SCIENCE)

5 Full Length Mocks

2. बहुवचन

संज्ञा के जिस रुप से एक से अधिक वस्तुओं का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं |

जैसे - नदियां,गाये,लड़के,कविताएं आदि |

नोट- कुछ शब्द बहुवचन में ही प्रयुक्त होते हैं |

जैसे - प्राण, होश, हस्ताक्षर, लोग, बाल, दर्शन, आंसू, होठ, दाम, अक्षत, रोम, नेत्र आदि |

